फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 29 प्रभात जयपुर, रविवार 30 अगस्त, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

Aurangzeb Fell Repeatedly To Her

Had Tarabai not taken charge in 1701, the Marathas would have had to face early defeat and the history of India would have been very different

Not Mere Reflector But A Laser

Mayan polished obsidian mirror was a tool that fired, not reflected, light

भारत और चीन की रैस्क्यू टीमों को नेपाल ने अनुमति दी

बाढ़ में मरने वालों की संख्या 580 हो गई है, इसलिए नेपाल ने विदेशी बचाव दलों को अनुमति नहीं देने का फैसला बदल दिया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 अगस्त। नेपाल-तिब्बत सीमा क्षेत्र में विनाशकारी फ्लैश फ्लड, यानी अचानक आई बाढ़ के चार दिन बाद, जिसमें कम से कम 580 लोगों की मौत हो गई है और 2,400 लोग लापता हैं, चीनी बचाव दल आखिरकार ग्यिरोंग इमिग्रेशन सेंटर तक पहुंच गया। पानी और कीचड़ की एक विशाल लहर में यह केन्द्र पूरी तरह डूब गया था। नेपाल ने पहले किसी भी विदेशी देश को बचाव दल भेजने की अनुमति नहीं देने का फैसला किया था, लेकिन अब उसने अपना फैसला बदलते हुए भारत और चीन- दोनों को पीड़ितों को बचाने के लिए अपनी टीमें भेजने की अनुमति दे दी है।

हालांकि बचाव दल को सीमा चौकी पर "सिर्फ मलबा" मिला। उस समय वहां कई भारतीय तीर्थयात्री मौजूद थे, जो या तो कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए तिब्बत जा रहे थे या यात्रा पूरी करके लौट रहे थे। आध्यात्मिक गुरु सद्गुरु के ईशा फाउंडेशन की 80 सदस्यीय टीम भी हादसा होने के समय इमिग्रेशन सेंटर में मौजूद थी।

ग्यिरोंग जाने वाली सड़क का बड़ा हिस्सा नष्ट हो जाने के कारण 21 सदस्यों वाली चीनी बचाव टीम को, एक खोजी कुत्ते के साथ, घटनास्थल तक पहुंचने के लिए बेहद कठिन यात्रा करनी पड़ी। बचावकर्मियों ने पहाड़ों और घाटियों को पार किया। उन्होंने जंगलों और खड़ी चट्टानों के बीच रस्सियों की मदद से रास्ता बनाया और आखिरकार तबाह हो चुके सीमा परिसर तक पहुंचे।

- **चीन का 21 सदस्यीय बचाव दल ग्यिरोंग इमिग्रेशन सैंटर पहुँच गया, चूँकि, रास्ता पूरी तरह से नष्ट हो गया है, इसलिए टीम को पैदल चलकर रस्सियों के सहारे रास्ता पार करना पड़ा।**
- **जब बाढ़ आई थी, तब ग्यिरोंग इमिग्रेशन सैंटर में 130 लोग थे। इनमें ईशा फाउन्डेशन का 80 लोगों का समूह भी था। सद्गुरू ने रोते हुए बताया कि समूह में 19 देशों की 46 महिलाएँ और 34 पुरूष शामिल थे।**
- **विदेश मंत्रालय के अनुसार, नेपाल में 320 भारतीय अब भी लापता हैं। भारत सरकार चीनी क्षेत्र में करीब 400 भारतीय नागरिकों से संपर्क स्थापित करने में सफल रही है।**

बचावकर्मी ज़ोउ मिंगछी ने कहा, "वहां कोई सड़क नहीं थी। पूरा इलाका घना जंगल और खड़ी चट्टानों वाला था।" उन्होंने कहा, "परिसर में जहां तक नज़र जा रही थी, वहां सिर्फ मलबा ही मलबा था।"

चीनी क्षेत्र में हुए नुकसान की तस्वीरें बहुत कम सामने आई हैं, जिसका मुख्य कारण बीजिंग की सेंसरशिप है। हालांकि, रॉयटर्स द्वारा ग्यिरोंग की पोस्ट की गई तस्वीरों में एक इमारत मलबे में तब्दील दिखाई दे रही है और उसके आसपास निर्माण सामग्री के टुकड़े और मलबा बिखरा हुआ है। इमिग्रेशन सेंटर की ओर जाने वाली सड़क पर बड़े-बड़े पत्थर और चट्टानें बिखरी हुई दिखाई दे रही हैं, जो बाढ़ की ताकत को दर्शाती हैं।

सड़क की हालत भी बेहद खराब है। वह कीचड़ से भरी हुई है और मलबे तथा कीचड़ के बड़े-बड़े ढेरों के नीचे दब गई है। उखड़े हुए पेड़ों की मोटी - मोटी शाखाएं मलबे से बाहर निकली हुई दिखाई दे रही हैं। खुदाई करने वाली मशीनों से मलबा हटाया जा रहा है और बचावकर्मी तिब्बत और नेपाल को जोड़ने वाली इस महत्वपूर्ण सड़क को जल्द से जल्द बहाल करने की कोशिश कर रहे हैं।

बाढ़ ने इमिग्रेशन सेंटर को तबाह कर दिया है।

25 अगस्त को तिब्बत से लगे जिलों में अचानक आई भीषण बाढ़ ने घरों, वाहनों और पुलों को बहा दिया। 2015 के भूकंप के बाद, नेपाल की यह सबसे भीषण आपदाओं में से एक है। इस आपदा में 600 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और करीब 2,000 लोग अब भी लापता हैं। बचावकर्मी बचे लोगों और फंसे हुए लोगों को तलाशने के लिए समय के खिलाफ दौड़ लगा रहे हैं।

विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा के तीन सांसदों को पार्टी अध्यक्ष की फटकार

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 अगस्त। सन् 1984 के सिख दंगों के दोषी सज्जन कुमार की मौत को लेकर उठे विवाद ने अब राजनीतिक परिदृश्य के दूसरे पक्ष के तीन लोगों को भी अपनी चपेट में ले लिया है। कांग्रेस नेता दीपेन्द्र हुड्डा द्वारा विवादित नेता की प्रशंसा किए जाने पर पार्टी के सहयोगियों की तीखी आलोचना के कुछ ही दिनों बाद, अब तीन भाजपा सांसद सज्जन कुमार के घर जाकर शोक संवेदना व्यक्त करने को लेकर निशाने पर आ गए हैं।

- **ये तीनों सांसद 1984 के सिख दंगों के आरोपी सज्जन कुमार के भोग में गए थे। पार्टी अध्यक्ष नितिन नबीन ने तीनों सांसद, रामवीर बिधूड़ी, योगेन्द्र चंडोलिया और कमल सेहरावत को तलब किया और फिर कहा कि इन्हें वहाँ नहीं जाना चाहिए था।**

अस्सी वर्षीय सज्जन कुमार का इस महीने की शुरुआत में निधन हो गया था। वे 1984 के सिख विरोधी दंगों के दौरान पांच लोगों की हत्या के मामले में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बाढ़ से हुए विनाश की खबरें और तस्वीरें दबा रहा है चीन

वहीं नेपाल में बाढ़ से हुए भारी विनाश की तस्वीरें सोशल मीडिया और इलैक्ट्रॉनिक मीडिया में खूब प्रचारित व प्रसारित हो रही हैं

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 अगस्त। एक विशाल त्रासदी और दो अलग-अलग देश। दोनों देश इस आपदा पर बिल्कुल विपरीत प्रतिक्रियाओं को सामने लाते हैं। एक गरीब, संसाधनों की कमी से जूझता और सीमित तकनीक वाला लोकतांत्रिक देश अपने मृतकों और जिंदगी के लिए संघर्ष कर रहे लोगों को संभालने की कोशिश कर रहा है।

दूसरी ओर विकास के मामले में एक दिग्गज, असीमित संसाधनों, अत्याधुनिक तकनीक और बेहिसाब धन वाला देश इस त्रासदी को किसी मजबूत संदूक में बंद कर देने और किसी तरह मृतकों की संख्या तक सीमित कर देने की कोशिश कर रहा है।

एक नेपाल है और दूसरा चीन है, एक मुखर लोकतंत्र है; दूसरा एक अधिनायकवादी, एक व्यक्ति की तानाशाही वाला देश है, जहां लोगों के साथ कठोर व्यवहार का लंबा रिकॉर्ड रहा है, चाहे उनकी जिंदगी के साथ कुछ भी क्यों न हो।

तिब्बत-नेपाल सीमा पर आई इस तरह की भयावह आपदा के बीच भी चीन अपने लोगों से इस आपदा के पैमाने और भयावहता की खबरें छिपा रहा है।

- **चीन एक साधन सम्पन्न आधुनिक तकनीक से चलने वाला राष्ट्र है। वहीं नेपाल एक गरीब और संसाधनों की कमी से जूझ रहा देश है।**
- **चूँकि, चीन एक वामपंथी अधिनायकवादी राष्ट्र है, उसकी कोशिश है कि इस त्रासदी को दबा दिया जाए, मृतकों की संख्या कम से कम बताई जाए।**
- **चीन का सरकारी मीडिया सिर्फ वही फुटेज दिखा रहा है, जिनमें चीन के बचाव दलों की बहादुरी दिखाई जा रही है। लोगों को भी सख्त हिदायत दी गई है कि सरकार के अधिकारिक रुख के अलावा कुछ भी ना कहे, वरना सख्त कार्यवाही होगी। यही वजह है कि चीन से बहुत कम जानकारी मिल रही है।**
- **सारी जानकारी नेपाल से ही मिल रही है, जहाँ बचाव दल व आम लोग खुलकर मीडिया से बात कर रहे हैं।**
- **नेपाल ने चीन की घुसपैठ रोकने के लिए विदेशी बचाव दलों पर रोक लगाई थी, पर, अब चूंकि वह भारत को सहायता के लिए आने देना चाहता है, इसलिए मजबूरन उसे चीन को भी अनमुति देनी पड़ी है।**

बीबीसी की रिपोर्टों के मुताबिक, आपदा के सभी वीडियो और फुटेज को चीनी मीडिया से हटा दिया गया है।

जमीनी हालात दिखाने के बजाय, चीनी सरकारी मीडिया केवल कुछ चुनिंदा वीडियो और फुटेज दिखा रहा है। इसमें बचावकर्मियों और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शनिवार को भाजपा के टिकटों का मंथन जारी रहा, प्रदेश मुख्यालय में

बाकी संभागों पर विचार लगभग पूरा हुआ, अब जयपुर संभाग पर चर्चा

जयपुर, 29 अगस्त (निसं)। प्रदेश के 309 नगरीय निकायों में चुनावी रणभूमि सजने से पहले भारतीय जनता पार्टी में टिकटों को लेकर संभागवार महामंथन अंतिम चरण में पहुंच गया है। भाजपा प्रदेश मुख्यालय में लगातार तीसरे दिन शनिवार को भी बैठकों और राजनीतिक मंथन का दौर जारी रहा। पार्टी नेतृत्व ने दावा किया है कि प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया तेजी से पूरी की जा रही है और 31 अगस्त तक प्रदेशभर के सभी भाजपा उम्मीदवारों की घोषणा कर दी जाएगी।

इन बैठकों में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, निकाय चुनाव प्रभारी चंद्रशेखर बावनकुले, संभाग प्रभारी और सहप्रभारी, निकाय प्रभारी, संभागीय निकाय चुनाव संचालन समिति के सदस्य, जिलाध्यक्ष, जिला संगठन प्रभारी, विधायक, पूर्व विधायक, सांसद और अन्य प्रमुख नेता शामिल हुए।

- **भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी ने कहा कि प्रदेश में पहली बार 10 हजार से अधिक वॉर्डों पर विस्तार से चर्चा हुई है। हर वॉर्ड का राजनीतिक समीकरण, कार्यकर्ताओं की भावना का नज़दीकी से अध्ययन किया गया है।**

शनिवार को सबसे पहले जोधपुर संभाग के टिकटों पर चर्चा हुई। इसके बाद देर शाम भरतपुर संभाग के प्रत्याशियों को लेकर मंथन शुरू हुआ। अब सबसे अहम माने जा रहे जयपुर संभाग के टिकटों पर उच्चस्तरीय चर्चा होगी। भाजपा के सामने सिर्फ प्रत्याशी चयन की चुनौती नहीं, बल्कि स्थानीय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यूपी की गंडक नदी में मिले नेपाल से बहकर आए दस शव

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 अगस्त। नेपाल में आई जानलेवा बाढ़ का भयावह असर सीमा पार उत्तर प्रदेश तक पहुंच गया है। पिछले दो दिनों में उत्तर प्रदेश की नदियों से 10 शव बरामद किए गए हैं। माना जा रहा है कि ये शव बाढ़ से प्रभावित पड़ोसी देश नेपाल से बहकर नीचे की ओर आए हैं।

- **गंडक नदी नेपाल के त्रिशूली रिवर सिस्टम का हिस्सा है। तिब्बत से भोटे कोशी नदी त्रिशूली में मिलती है और यही त्रिशूली नदी भारत में गंडक नदी के रूप में प्रवेश करती है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत ने फिर कहा, 1960 की सिंधु जल संधि को स्थगित ही रखा जाएगा

इधर पाकिस्तान ने अमेरिका व अन्य देशों से गुहार करनी शुरु कर दी है कि भारत पर सिंधु जल संधि की अनुपालना के लिए दबाव डाला जाए

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 अगस्त। पाकिस्तान ने सिंधु जल विवाद को लेकर अपना अंतरराष्ट्रीय अभियान तेज कर दिया है। उसने भारत से सिंधु जल संधि के तहत तकनीकी बातचीत फिर शुरू करने और पानी से जुड़े आंकड़ों का आदान-प्रदान बहाल करने की अपील की है। जबकि, नई दिल्ली 1960 के समझौते को स्थगित रखने के अपने फैसले पर अडिग है।

पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक दार ने शुक्रवार को वॉशिंगटन में यह अपील की और इस्लामाबाद के अनुसार, संधि में रुकावट से बढ़ते खतरों पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक ध्यान दिये जाने की मांग की।

- **पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक दार ने वॉशिंगटन से याचना की है कि भारत से कहा जाए कि वह पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को बहाल करे तथा तकनीकी संवाद, पारदर्शिता व डेटा शेयरिंग प्रक्रिया को मजबूती प्रदान करे।**
- **पाकिस्तान सिंधु जल संधि मुद्दे का अंतर्राष्ट्रीयकरण करने पर आमादा है और दुनियाभर में इस मसले पर बयानबाजी कर रहा है।**

एक सेमिनार में वर्चुअली संबोधित करते हुए दार ने तीन सूत्रीय दृष्टिकोण अपनाने की अपील की। उन्होंने सिंधु जल संधि को पूरी तरह लागू करने, दोनों देशों के बीच तकनीकी बातचीत और पारदर्शिता बहाल करने तथा लंबित मतभेदों को दूर करने के लिए संधि में मौजूद विवाद समाधान तंत्र का इस्तेमाल करने की बात कही।

दार ने कहा, "पाकिस्तान और भारत को संधि के अनुसार, तकनीकी बातचीत, पारदर्शिता और आंकड़ों के आदान-प्रदान की प्रक्रिया फिर शुरू और मजबूत करनी चाहिए।"

इस्लामाबाद की यह अपील ऐसे समय आई है, जब भारत अपने फैसले को वापस लेने के कोई संकेत नहीं दे रहा है। भारत ने अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद यह फैसला लिया था। इस हमले में 26 पर्यटक मारे गए थे। इसके बाद भारत ने घोषणा की थी कि संधि को स्थगित रखा जाएगा और कहा था कि "खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते।"

दार ने इस मुद्दे को केवल दोनों देशों के बीच के विवाद से कहीं ज्यादा बड़ा मुद्दा बनाने की कोशिश की। उन्होंने चेतावनी दी कि सीमा पार बहने वाली किसी बड़ी नदी प्रणाली से जुड़े एकतरफा फैसले का असर दूसरे निचले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)